साखी

(शैताना राम प्रगट ननेऊ कियो बैकुण्डा वास)

शैताना राम जिला जोधपुर ननेऊ गाँव, कियो बैकुण्डा वास।
झूझ पड़्या शिकारियों से, शैतानाराम जुग में लियो जसवास।
ताँतू जी रै गाँव ननेऊ रा मानवी, प्रगट ननेऊ किया निवास।
जिण खेत्तर मैं बिश्नोई बसै, सही जै हिरणा तणों निवास ।।1।।

माया अरू घरबार सुहावणा, रूँख रहिया घर छाय।
जीवां नै सुरक्षित राखियो, देष फलौदी रै माँय ।
राखै बिश्नोई वन्य प्राणियाँ, बे चालै गुरु की राह।
गुरु जम्भश्वर रखावै तो रहे, आसान बलि की राह ।।2।।

जहाँ दीठा तहां रक्षा करी, शैताना राम जीव बचावण हार ।
वन्य प्राणी गुरु खेजड़ी, देवी–देवता अरू तुलसी सा ततसार।
ननेऊ रा भादु अर्जून रा बेटा, दे दी बलि बही खून की धार।
नाम अमर म्हारो कर दिन्हों, शैतान तज हिरणा तणों संसार ।।3।।

रैण नैं ननेऊ गाँव जिला जोधपुर मां, षिकारियां तणी औलाद ।
पापी षिकारी गुरु मानै नहीं, जा वन्य जीवां नै मारै कर वाद।
बिश्नोई धर्म रा पक्का रहै, सब जा नहावै जम्भोलाव तालाब ।
सब मिल चालै गुरु फरमाई, दूर छोड़ थौथा वाद–विवाद ।।4।।

शैताना राम देश फलोदी गाँव ननेऊ, कलियुग बलि कहावियो।
तज हिरणा तणों शरीर , अर्जून लाल अमर शहीद कहावियो ।
बिश्नोई ननेऊ रा मानवी, वन्य प्राणी नै बचावण आवियो।
साख बिश्नोई भादु री बधाय, जग में नाँव अमर करावियो।।5।।

कर प्रेम वन्य प्राणी सूँ, देष में बड़ भागी बिश्नोई धीर जै।
दीन धर्म–नियम सुरक्षित राखियो, परमार्थ में गम्भीर जै ।
नाम विष्णु अमृत पाहळ, ना होवै मुश्किल में अधीर जै ।
गुरु जम्भेश्वर रा नियम मानै, अहिंसा राखै सूरवीर जै ।।6।।

पग पग जीव रक्षा करी, बलि होवै ले विष्णु रा शरणा ।
जद पूगा बिश्नोई जवान, शैतानाराम हिरण बचावै घणा ।
जद आवै अर्जून रा लाल, सारे दुष्ट शिकारी थरहरणा।
जग में पुण्य बहुत कमाय, तद बिश्नोई री देह धरणा ।।7।।

आधी रैण गाँव ननेऊ रा शैताना राम, थारी साख रहे संसार जै।
गुरु जम्भेश्वर सीख मानै घणी, जो होवै सीधा भव जल पार जै।
बिश्नोई धर्म रा पक्का रह्या, करै हिरणा नै बच्चों जिसा प्यार जै।
सुकरत करता स्वर्ग जावै, ऐ **'पृथ्वीसिंह'** सुणावै विचार जै।।8।।

पृथ्वीसिंह बैनीवाल बिश्नोई,
संस्थापक सदस्य, जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर तथा संयुक्त सचिव एवं प्रैस प्रभारी,
श्री बिश्नोई सभा, पंचकूला, सैक्टर–15, पंचकूला–134113 (हरियाणा)–094676.94029